हरियाणा में भूजल निष्किरषण

चर्चा में क्यों?

हरियाणा में [भूजल निष्किरषण (SoE) का स्तर] 135.74 % तक पहुँच गया है, जो दर्शाता है कि **भूजल निष्किरषण की दर धारणीय उपयोग सीमा से अधिक** है।

प्रमुख बिंदु

- **भूजल निष्किरषण की वर्तमान स्थिति:**
  - **हरियाणा**
    - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 9.55 बिलियन क्यूबिक मीटर (bcm)
    - **वार्षिक निष्किरषण योग्य भूजल:** 8.69 bcm
    - **कुल भूजल निष्किरषण (2023):** 11.8 bcm
    - **SoE:** 135.74%, यह दर्शाता है कि निष्किरषण धारणीय स्तर से अधिक है।
  - **पंजाब**
    - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 18.84 bcm
    - **वार्षिक निष्किरषण योग्य भूजल:** 16.98 bcm
    - **कुल भूजल निष्किरषण (2023):** 27.8 bcm
    - **SoE:** धारणीय स्तर से अधिक, तथा निष्किरषण स्थायी रूप से उपयोग किये जा सकने वाले स्तर से अधिक है।
  - **राजस्थान**
    - **वार्षिक भूजल पुनर्भरण:** 12.45 bcm
    - **वार्षिक निष्किरषण योग्य भूजल:** 11.25 bcm
    - **कुल भूजल निष्किरषण (2023):** 16.74 bcm
    - **SoE:** 148.77%, जो पुनर्भरण की तुलना में महत्त्वपूर्ण अति-निष्किरषण को दर्शाता है।
- **भूजल क्षरण की चिंताएँ:**
  - **पर्यावरणीय क्षरण:** जब भूजल स्तर गिरता है, तो खारा जल तटीय क्षेत्रों में प्रवेश कर सकता है, जिससे स्वच्छ जल के संसाधन दूषित हो सकते हैं।
  - **भूजल प्रदूषण:** कृषि, सीवेज़ और उद्योग जैसी मानवीय गतिविधियों से भूजल में **आर्सेनिक**, **फ्लोराइड**, **नाइट्रेट** **और** **लौह** जैसे प्रदूषक प्रवेश कर सकते हैं।
  - **भूमि अवतलन:** जब भूजल का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, तो मृदा ढह सकती है, संकुचित हो सकती है और नीचे गिर सकती है, जिससे भूमि अवतलन होता है।
- **नीति अनुशंसाएँ:**
  - जल शक्ति मंत्रालय (MoJS) ने राज्यों से **किसानों को मुफ्त या सब्सिडी वाली विद्युत्** उपलब्ध कराने की नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया है।
  - धारणीय उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये जल मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करना।
  - भूजल पर निर्भरता कम करने के लिये फसल चक्र, विविधीकरण और अन्य उपायों को लागू करना।
- **जल शक्ति अभियान (JSA) प्रयास:**
  - वर्ष 2019 से जल शक्ति अभियान एक मिशन-संचालित कार्यक्रम रहा है जो वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण पर केंद्रित है।
  - JSA 2024 भारत भर के 151 जल-संकटग्रस्त ज़िलों पर केंद्रित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/groundwater-extraction-in-haryana